मैं जबसे तेरा साँवरा हो गया भजन लिरिक्स

मैं जबसे तेरा साँवरा हो गया,
कल क्या था मैं आज क्या हो गया।bd।

जीवन की बगिया सुखी हुई थी,
बहारे भी मुझसे रूठी हुई थी,
वही बाग़ फिर से हरा हो गया,
कल क्या था मैं आज क्या हो गया।bd।

मेरे साथ चलती थी बदनसीबी,
हारा मैं हरदम ना जीता कभी भी,
अब जीत का सिलसिला हो गया,
कल क्या था मैं आज क्या हो गया।bd।

दर्द था दिल में अँखियों पानी,
'सोनू' मिला ना था जब तुमसा दानी,
मेरे दर्द दिल की दवा बन गया,
कल क्या था मैं आज क्या हो गया।bd।

मैं जबसे तेरा साँवरा हो गया,
कल क्या था मैं आज क्या हो गया।bd।

गायक – राजू मेहरा

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com